



नमो नम

ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ १ ॥ रुद्राय च कादम्बराय च ॥ गृह न विना भिरुक्तान्का
भनून्ष्टे गणेशाय नमः ॥ २ ॥ यद्विरुपि नरुर्वीरस्य काका सभर्मा मर्कटसंभु
वन्दो नवमन्त्रि नमस्त्रिन्नामनां नन्दे वरा हस्ता इन्द्रकायात् मरुतुरुगवत्
यमनृपव्यनस्य ॥ ३ ॥ अथिब ॥ यासां ससा नवक विमवयात् मनसां हि यागा
महता ॥ साधिर्यस्य यसादा विमहिनि जलैर्वस्वामिना निष्पन्न ॥ ४ ॥ तव
प्रसादात् वे समुद्रात् तिस्रस्वैकस्य नाजाल मुक्तैः ॥ इत्यादि तस्याधिपती निमः

गणेशाय नमः

सिद्धि नमय सत्तु नु सर्वकार ॥ ५ ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ६ ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥
कसम्वनाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ धर्मवैकुण्ठिन हृदयानन्दका
सिका ॥ कलाक ॥ रुद्रादो कलावर्न ॥ जाव ॥ कमलासनरु ॥ भिवर्धना क
सकला ॥ कलाक ॥ सहजानन्दका सिका ॥ जाव ॥ निखिलसुखिन रुपाका हस्त
मा ॥ कलाक ॥ नरुत्तमैश्वर्यमात्रा ॥ लोकजाव ॥ ॥ नमो गणेशाय नमः ॥ विष्णु
मानुह विधु विन्वा ॥ श्रीकात्र विद्यायि रुस संरुवा ॥ ८ ॥ नमो गणेशाय नमः ॥

निर्माणा

सकयनि पुनिगारुवडसनिर्माणावत्तमकुडुं ॥ २४ ॥ नागसेनवि
निर्माणा निवकुषाष्टिससना नूह मधुगहकादिवृत्तनादनीयस्तमितय
थरुलसिगाईगमिनीननेनीससगायमजालनादनीय ॥ २५ ॥ उनेमा
मि४६विधीवडवीनाभिनीतिरुवहनकखसमहानदवी ॥ २६ ॥ दियानपु
गिनिकामनूपथीहकसविममधुतनूसजयकि ॥ २७ ॥ वसदससना नूह
वसधर्मचक्रवा ॥ २८ ॥ दससगावक ॥ २९ ॥ विभक्तदलकमसमहासखव

नागसेन

कुंकाववपथीहनुकनाथ ॥ ३० ॥ दहतिजितविद्यानिशिरयानरुदनिध
वदसुतधावयनादनीय ॥ ३१ ॥ थदिदभरुमिगतसुगतपुजनिजिनरुनदा
यनिविनधनी ॥ ३२ ॥ दय्येनयतिविम्वुजलज्वदायम ॥ ३३ ॥ निनिमिसमनक
वडदवी ॥ ३४ ॥ जमजममीनु ॥ ३५ ॥ दयायसनध ॥ ३६ ॥ तिनासनना ॥ ३७ ॥ यदा ॥ ३८ ॥
नागसेनवि ॥ ३९ ॥ गदहनपथरुनसवुय ॥ ४० ॥ यकमृकनसपथरुनियुक्ति
का ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥

श्री
गुरु

रुतयतनयिष्ठावात्तादायस्मान् २ गकजकिनीडयिजुद्धमभनद्वैलि
गुद्धुने ॥ ॥ रातयगिसर्वकार्यत्वयासर्वसिद्धिसंयतिष्ठाकिन २ आसीता
नरथागतवचनसर्वसखसम्यक्वृद्धिने ॥ ॥ समयावकुरुदानयति
नसर्वसिद्धिसम्यक्वृद्धिष्ठाकिन २ याथेवताथेवकुरुथनयीवथमाधिक
मथने ॥ ॥ ॥ नागयथमजसि ॥ अतिसुनलजालजालवमाग्य
मनुमउतचकनाया २ वरुयजससतजालसंयविरुमिभवेमउतचक

नाया ॥ ॥ ॥ उमवृकसयियाधुनकवृद्धातिगगहनुवधलयिया २ वः
रुवानाहिआतिगगसम्वलकसयिया ॥ ॥ रुदिसविनीविनव्वनजहिज
हिताहिताहिअद्धमभन २ अनहनसर्वइववृकाउठादवीमीसनिः
यवमनसहाव ॥ ॥ विरुवनउक्कयकलायरुनाअपिउवनउक्कय
इविनीवीना २ अतिउवननवनाकसंयसादिनरुसिअसउयकाका
ना ॥ ॥ अहिनासिसगुवार्त्तुवाग्यादिगतरावरुव २ रुनः

अथ
श्री

मम नल रुय वधन रुय गल रुय भा नृ श्रीति य सी ला व ॥ ३३ ॥ नाग
सति ॥ पुन रु न रु थ ना व का स सी ला व न ल नृ य वि कि रु वि वि रु क ल र्ण
२३ ॥ ३४ ॥ क का स व ज्ञा मृ त मृ द क र्ण स र्ण धि क र्ण न म न्त य ॥ ३५ ॥ व ज्ञा मृ
त न स वा वि रु स दाय क र्ण स र्ण धि न व्या यि त मृ त रु क ल र्ण २ ज ग त म ल र्ण धि क
रु नृ क नृ धा रु न र्ण सान ना ध न वि न रु नृ य ॥ ३६ ॥ व रु प न मा नु म य र्ण धि व रु स र्ण
यु क र्ण स र्ण धि क र्ण य र्ण य र्ण २ रु क न म रु य र्ण धि ग व रु व रु स र्ण धि क र्ण वि

अथ
श्री

पा क क ल र्ण ॥ ३७ ॥ घ ट म रु क न रु क नृ य र्ण धि आ रु रु स र्ण धि क र्ण न रु न रु नृ य र्ण
म र्ण धि सा धा न रु न रु व रु क र्ण न स र्ण धि न रु य र्ण धि रु क न रु ॥ ३८ ॥ पा य र्ण धि
व म न रु न रु न रु स र्ण धि म य स र्ण धि य र्ण धि वि न रु क ल र्ण २ म हा ना ग द वी रु य वा
वि वि रु नृ य स र्ण धि म य स र्ण धि न रु स र्ण धि य र्ण धि रु क र्ण ॥ ३९ ॥ ना ग ग न्ध र्ण धि वि
नि ना य न रु व रु क र्ण वि रु ना २ क न रु य र्ण धि म रु स र्ण धि म ॥ ४० ॥ हा म हा म क न
ने या रु क र्ण न रु क र्ण रु मा ला २ ना ग रु व मा रु वी दि न रु क र्ण धि य ॥ ४१ ॥ य रु य रु ३

पायवजाऽनविगणिवाययिआवार्यवयिथा॥ ॥ वामरहिणकमणनवहिया
 उ२कृतयिवजाननआरुतिदिना॥ ॥ कर्तुवात्रकअर्पणनहाम२वायुसहा
 धविषयसेवाध॥ ॥ नागनाठ॥ नकवधुनितायनसुन्दवि२अष्टाद
 न२उ२यहननकिबला॥ ॥ उ२कदवीवानुधिमामकिदवी२उ२गकयमा
 दिनमयनसनाग॥ ॥ आगमवदयुनानवर्षाने२आगधर्मादिक्तागुनु२यद
 र्ग॥ ॥ यव२वृषध्वन्यक२रु२सया२क२गिनीमा२प२ह२नु२इ२ह२नु२

स२गनु२च२न२ध२सि२भ२ग२ध२निया२रु२न२यि२वा२क२व२ज२स२ना२स२नु२पि॥ ॥ नागसेन
 वा॥ नभा२हं२अ२का२नु२ध२नु२य२ध२नु२स्व२क२वि२स२त्वे२उ२ता२ध२नु॥ ॥ ना२हं२ना२हं२
 ना२हं२हं२हं॥ ॥ इ२हा२शालि२ग२ध२या२ग२ध२नु२व२ज२ध२मु२दा२ध२नु॥ ॥ ध२व२न२स२
 स२खु२न२ह२ध२नु२स२न२ह२स२हा२हिय२च२ध२म२नु॥ ॥ मा२या२ह२नी२न२ज२ग२सा२हिय२क२
 न२ध२स२त्व२म२हं॥ ॥ ना२ग२ध२ना२व२मा२ध२॥ ॥ वि२च२क२नी२वि२ग२नि२म२धु२स२मा२
 ग२ली२ति२अ२न२र२मु२नि२ध२ना२व२रु२वा२गा२ह२शालि२ग२ध२स२त्व२न२ना२ना२नि२म२म२हा

कृता ॥ ॐ ॥ कनाकैकनाकैशनाकैकैकैकै ॥ ॥ नीलवर्णचक्रवर्ण
 मुखविनयपद्मानन्दमूर्तिधनाशविभवज्जुर्ध्वं दण्डमश्रुतधनहाज
 रप्रदासुखादिना ॥ ॥ वज्रघट्टगजचर्ममन्त्रमुखधर्मिधनाशवीर्यमानन्द
 मूर्तिधनाशकनटिकयातयनयवाग्विष्णुमावक्रोमिधनाशपञ्चमक
 टिधरिना ॥ ॥ दिगाविदिगिकाकाकादिज्जमठादिदेवीसहजानन्दमूर्ति
 धनाशनमाभिशीवकसम्पत्तगगनचन्द्रनक्षत्राधिना ॥ ॐ ॥ माग

ललितपत्र

यक्षम ॥ कलिकवज्राननविषाणिकृत्तदावीयडकाननादनुयाश्रुतनु
 यागविष्णुनलीनाययिसयिजिनगणिविष्णुया ॥ ॐ ॥ यनमानन्दमूर्ति
 मयधामिनाधधियशीमश्रुवज्राश्रुतश्रुतैश्वर्याधियमिशीमश्रुवज्रा ॥ ॥
 कलिकाकमलसङ्गाहसहजानन्दपवननगरीगमनिनागमिश्रयमुखवट्ट
 ज्जन्तलमश्रुतमीलीकृष्णोत्ताननन्दहिनवाम ॥ ॥ वन्द्यमधुतायनिवज
 ययकिर्कृष्णमात्रधनयहातिनाशवज्रखक्रमन्दहिनकनधामिनामय

का
लोप

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ विविधनल आरुद्रा विरुषि कुरु ग्रयि शुभगमूत्राणि
नृपधामि ॥ १ ॥ गगनचक्र ध्वज कमल सप्त सादानमाप्ति यत्र मानिता वद ॥ १०६ ॥
नागनाडि ॥ का ॥ लायित थिया वासा मर्म निबकन कोला २ यन कयि थिरुयि
वज्रयि ३ उनु कीया ४ सलाना ॥ ५ ॥ मलयज कुरु नृवज्रयि छिछि मोका
हिन वज्रयि ॥ ॥ गहिरु नृस्वाङ्ग नमः मय नायि वज्रनया ॥ २ ॥ हासकास
रुनयनया ॥ ३ ॥ इडु नृयाहिन वज्रयि ॥ ॥ वड समकलु निरिह्ला कर्णु

सर्व
वज्र

लायनया ॥ २ ॥ मयले जन्धन भाति गहिरु नृस्वाङ्ग नयया ॥ ॥ पखुन खट
कन कलु सास रुन मधया ॥ २ ॥ निर्वस हजुर्ग वज्रावीय गहिरु नृस्वाङ्ग नयनया
॥ ३ ॥ ॥ नागनावति ॥ सर्वद्व विवृद्ध मल्लिगा विवृद्ध मात निरुदनी २ वज्र
मल्लिगा वज्रया गिनी कानधर्म सिद्धि नावनी ॥ ५ ॥ नमामि वाक्य सी सिद्धिया गि
नी नानमल्लिगा २ अक्षम सिद्धिया गिनी गधमल्लिगा ॥ ॥ आदि स्यमल्लु सग
रुसमवसदी यमा सस विम्वगा २ वकी कलु लकणि नावक मखन विरुषि

नीलकण्ठविष्णुस्वतन्त्रं नृजिवारियः ॥ तालासहस्रं नृमिव्यालकमसत्सर्विवारियः ॥
 कृष्णकण्ठविष्णुस्वतन्त्रं नृजिवारियः ॥ तालासहस्रं नृमिव्यालकमसत्सर्विवारियः ॥
 सूर्यनद्यासः कृष्णविष्णुस्वतन्त्रं नृजिवारियः ॥ तालासहस्रं नृमिव्यालकमसत्सर्विवारियः ॥
 दासहस्रं नृजिवारियः ॥ तालासहस्रं नृमिव्यालकमसत्सर्विवारियः ॥
 तालासहस्रं नृजिवारियः ॥ तालासहस्रं नृमिव्यालकमसत्सर्विवारियः ॥

[illegible]

सि॥ **ॐ** ॥ नयायानि नानोयुनसिना किडुवधयकस्वदुयि २ सर्वविकल्पवि
 धीसनिदवी अ नरुलल्लानवनशायनी ॥ ॥ अमिताभ वमस्तु न उदयाः
 साधिकि कल्या ननामिव नृयधारी २ कनकिखर्ण नखघागिधारी यहाल्लानवन
 शायनी ॥ ॥ दगविममकुटेकधी चकी कुत्तुल कलिधारी २ नृवकमखल पाय
 लधारी गीवननमिसमाला ॥ ॥ सर्वकथागणजननी दवी विप्रहितरुक्म
 लावा २ श्रीवज्रयागिनी चै नै दौ सिल्यागधारी गवकिरमनसं वजा ॥ **ॐ** ॥

श्री
 म
 श्री

मागका मा ७ ॥ किडुसरुवखसमदहानवनसुधाकिंश कनकधाधना २ द्वादश
 रुजवेदवदना द्वादशवर्धननकनग ॥ **ॐ** ॥ नमामि श्री किंवकम्भर्मा नः
 रुयलवरयह नर्ध ॥ ॥ चतुर्विंशतिपी ७ ध्वनं कनकिरुवी नवी नध्वनी २ व
 रुवकयदकिध २ दवी संप्रयकलिरुलिना ॥ ॥ यहासंप्रयकली कासि
 पदाका का अगिरुदना २ द्वादशवर्धननकनग ॥ ॥ नमामि श्री वक्रसम्भवा ॥ ॥
 सकगुनृववधगिलिधना रुनयिगी कधी कलि २ दानयकि नमना हर्ष स

प्रकाश

यमभुसश्रावाधिगा ॥ ६०३ ॥ प्रागवर्ककान ॥ यकलिरुहकानावुवमनुक्ति ॥
उनीलकतसमदहाशिविष्वाकृष्टिकनर्धनलमकृष्टकाधधिपी ॥ ६०४ ॥
नमामिथीयवभुवीनरुवसिधुनरुर्धेश्विविष्वाताथिदुवनव्यापितिवदीनिधे
शनकनर्ध ॥ ॥ अनकृष्टानुक्तिरुहिवनवीनसर्वरुहखदधानेश्वाम
कृष्टनिदीदयाधधनरुवानिगोसनकनर्ध ॥ ॥ नानाबलाहाननोपुनकलि
मखनरुषितदह ॥ ॥ इडाकतासीषमवद ॥ ॥ कुवननायायवभुवीन ॥ ॥

विष्वा

विनाधिपीनिसर्वरुयहनर्धयकपिष्वादिष्वाकमनसाशमननयकृष्टादिवीदित
यादसर्वसिद्धिमाकृष्टसद ॥ ६०५ ॥ प्रागवर्ककान ॥ यकलिरुहकानावुवमनुक्ति ॥
कवर्धुमकृष्टकभीदिगविना ॥ ६०६ ॥ ॥ नानाकृष्टकानाकृष्टकानाकृष्टकाना ॥
वकृष्टकानाकृष्टकानाकृष्टकानाकृष्टकाना ॥ ॥ सूर्यमभुसमाश्रुता
दवमनुक्तिवकृष्टमभुतिविरुषिता ॥ ॥ सूर्यगवुवनरुषीत्यगवुवनियाव
कवानाहिरुषियायभनध ॥ ६०७ ॥ ॥ प्रागवर्ककान ॥ यकलिरुहकानावुवमनुक्ति ॥

विदस्य

काश्वरिहिरुदामकासतसिना॥ ॐ ॥ धानइक्षामरुचनिर्सीकनिना२ अख
यनिनऊरेनगाकूसिहगा॥ ॥ दिनकत्रमधुसमधगता२कनूनामृकनसका
ससतिगा॥ ॥ दग्धासिरुवयतिनिहगा२ देवासुननननिहस्यनिमिगा ॥
॥ गावकियवनरुचिगुनरुका२वज्जवानाहि३इतिहस्यनिमिगा॥ ॥ ॥
नागागन्धारुनवि॥ विदस्यपद्मगुम्भमधुसमहासखकनया२ देवीवज्जविनासि
नीगखरुनयक॥ ॐ ॥ यिवयिभमहावसगा३इदहन२ स्वर्गमाक्रमार्गः

अवनिभि

सत्कडधानभी॥ ॥ वज्जवानाहिअस्यतिनगगा३२किउवनदेवासुनननदे
वी॥ ॥ पूजापुष्पगुम्भासिधकअनुरुवक्रिया२सत्वननविहुरुकप्रक्रिया
समुचय॥ ॥ गुनूपणादनइर्गेतिनाभर्न२रुनयिस्तदृष्टआवनिता
॥ ॥ ॥ नागकोमा३॥ अवनिनिहितवामजानुखक्रिकनरवमासस
नासा२नागदधमाहवन्निनयागा३हिरुवननायाअवेलाविना॥ ॐ ॥ न
मामिथीवधुमहानाषगा३जातमृष्टरुयधदिताविश्वनाथविश्ववापित

अवनिनि

वीनविक्रममहाकाठनाया ॥ ॥ अतिरीषनाग उर्ध्ववध्वा द्वाकलाः
यावियुक्तिकिनद्या ॥ ॥ शयीदिन अधनाककननयनावेनिसंयासा नाखरुसम
द्या ॥ ॥ माधवमाया पुनरेवका नुदपिभा चादियादिवरुनद्या ॥ ॥ समन
समायानागविभाहाहाननायासमाहिकदहा ॥ ॥ नलारुनद्या यकानिक
मोनिकयुनना पुननूनगुर्णकाना ॥ ॥ सुननननाथवीदिनवनध्या नायसुन
ध्वनश्वनविना ॥ ॥ ॥ नागखककाल ॥ ॥ अवननिनिहिकजानुनीनसम

अवनिनि

दहाशककनगिनयनारिषमवदना ॥ ॥ ॥ तनाकतनाक ॥ ॥ अतश्वस
काठनाया ॥ ॥ निविदिनयनडीकि ॥ ॥ अरिहमरग ॥ ॥ शपाथखक धानिकि
वननाथ ॥ ॥ हनिहमवका ॥ ॥ ॥ चउमासा ॥ ॥ मालविप्रशक्ति ॥ ॥ कृतयहन
द्या ॥ ॥ विविधिकनलनासिर्नरुहदहा ॥ ॥ रुगगवीकि ॥ ॥ वनरुलदायक
॥ ॥ ॥ नागवसक ॥ ॥ अतमिकसमयुनि ॥ ॥ दह्यराखना ॥ ॥ विविधिनल
मविमकठविरुषिता ॥ ॥ ॥ नावयिनधी ॥ ॥ अवनवीना ॥ ॥ नावयिअन

धुनिनाया॥ ॐ ॥ परसथीहनुर्विमानुकावायासुरगनाथयोसम्बनवा
 या॥ ॐ ॥ कजकनाटकहाथधनियोकाष्टकिपाउखद्याली२संयुक्तयोगि
 नीकमलविहा६८८गनमहासखमनियसाद॥ ॥ कजवानाहिआसिगघ
 सम्बननावयिवरविहमरुग२वाचसिकाविनेयाकीठकिहनुवजुद्ध
 वरुलधससीयाग॥ ॥ सहजसंयुक्तनेयागावकिकर्षुयासथीहनुव
 वनधयसाद२यस्मासिगमकीठकिहनुवविनासायिहृन्कषा॥ ॐ ॥

नामगुण॥ जयश्वाकृत्तसयलसुरास्कावि२अखयइखयराहाननुव
 ॥ ॐ ॥ नूर्ध्वमूर्ध्वजुनहा२रु२रु२कावननावियमाननिनवानुव
 जिमयनयानदहयुनका२जिनजननीनुवकरुयागिनी॥ जय२हाज
 रुनधसुरासा२कवीटकयानखद्यार्गधान॥ ॥ जय२भोदग्मभानहि
 न२शीव्यनुदननवधिलमाना॥ ॥ जय२वाखइजगहससाभ२यधमा
 मिजुदयवाकृत्ति॥ ॐ ॥ नामलनवि॥ गजुजिनउद्धनहाथधलिया

कमलरुतिभञ्जुर्ध्वानिना २७ मनुकनटि ३७ नृदिष्टसुवामखद्यगिकया
बधना ॥ ॐ ॥ धीसम्वननाया वाक्यसिद्धि ३७ नृदिष्टसुवामखद्यगिकया
यानमायासासुहृदवदुमुद्रासिद्धिना ॥ ॥ याधवक्रमधुवामहारथधतिः
याउन्ननभिन्नमाला २ नीतेहनिगताहिकनकाहववेउमखद्यगिकविक
तालेध्वना ॥ ॥ आनिठयथाहिववनाययियात्रकालिनोधिर्विबुम्
दाशविश्वरुतिभञ्जुर्ध्वानिना २७ मनुकनटि ३७ नृदिष्टसुवामखद्यगिकया
बधना ॥ ॐ ॥ धीसम्वननाया वाक्यसिद्धि ३७ नृदिष्टसुवामखद्यगिकया

दीनसम्वननायकशिनिवकमहाविनवीना २ कवृष्ण ३७ नृदिष्टसुवामखद्यगिकया
कायिसयानमर्सात्रध्वना ॥ ॐ ॥ ॥ नागसुतिगुणधति ॥ ३७ नृदिष्टसुवामखद्यगिकया
निगतनुल्लसता २७ नृदिष्टसुवामखद्यगिकया ॥ ॐ ॥ ॥ उगदनुकैयक्यागुध
दवी २७ नृदिष्टसुवामखद्यगिकया ॥ ॐ ॥ ॥ वक्रनयनशिनिमुमुमाता २७ नृदिष्टसुवामखद्यगिकया
अकवृत्तिकपावनीलात्पमा ॥ ॥ व्याधुवर्मवक्रुपस्यासीछाश्वर्वसम्पाद
नसर्वाकाका ॥ ॥ वननसम्वननायकशिनिवकमहाविनवीना २ कवृष्ण ३७ नृदिष्टसुवामखद्यगिकया



विष्णु

पादधामनिवामविन्दुधना ॥ घस्रनिबोनिथागिनीदवीशमवकिनी
सावजस्तकोनसजाता ॥ ३३३ ॥ नागसहित ॥ विषयविषयविन
यवनसियागजालयिवदायनिनालिकमसदहयिजिनविस्व
भिजनयिसुनतवकुजिनिआरासमयस्यामसयस ॥ ३४ ॥ नमस
रेधाषकासेनकहवजसमवनिविष्णुनयैपयिपइमसियागसतव
निष्कयसहजाननमयहाननूप ॥ ॥ कजयस्यक ॥ गसैमनूषी

विष्णु

तनुनामसगीतिशुक्राल्पधन ॥ ३४ ॥ गतइएवनाशनवाधिरुसदायक
यागधर्ममानुषावाहय ॥ ॥ गुनुवाकट्टधनियाशुचयवनकीवि
यमधिमश्टचडावयउकादिधनियाश्चउचकपाशसलीनयन
मध्वनस्यरुममानुवानाहसवन ॥ ॥ सप्रमायागदसरावय
निरावनावृषधर्मसघसनवागमिय ॥ ३५ ॥ गुनुवननित्यधनिया
गवाकिसनेतकज्जमंडनमानुवृषधनवी ॥ ३६ ॥ नागनाय

सकनऊगकगनू समनवीनाऽ अनुपमकनूकननितिसरवीचिखा ॥ ५३ ॥
 समन२कनूमयिताव२विविधविकल्पाविनासननूठ ॥ ॥दवीवाग
 हीउममल्लितदहा२रुवरुयहनविष्मनविलिखा ॥ ॥सकलविष्म
 हकिमकियमिगुगम२नकिपतिस्वर्गनिर्वासननूठ ॥ ॥हावालाव
 कतहकिमकितिलिखाऽ अनुपमसुनसमनसखविखा ॥ ५३ ॥
 नागनाट ॥ कवननूपलाकधनकवननूधनूठऽ अखयनिर्वाजन

सयात्रविष्म ॥ ५३ ॥ नावयि अवधुवकानकमान२खदगिठऽ
 मनुगीवननगिनमाला ॥ ॥अकलसोनिर्वाजन२अकलसोविह
 नाऽ अनुकनवनगतिमयात्रविष्म ॥ ॥कहुवाभरुवककहु
 वालनीलाऽ अवधुवकानगतिमहसुनडा ॥ ॥रुतहु२हमहम
 नसुनडाऽ अगिनिरुवननाथप्रसमनलाया ॥ ५४ ॥ नागविष्म
 स ॥ द्विउऊयकमुखनकवरनाऽ नगनमकूठकगिणिनिमाचना ॥ ५४ ॥

नमादवीवृद्धाकिनीविष्णुजननीश्चिखवचव्यापितडिनहानदायः
 नी॥ ॥ इहिनकनवकुविनासिनीदग्धतिश्चामकनोटकचकुमोन
 सीयवयि॥ ॥ कनूधिमधुसमाप्यशुभियाभगमलधोश्चकेनोपुः
 नवनसुगमपुवसिना॥ ॥ श्रीविशोधनीद्वीसुवननमसहिना
 सकलमिद्विशिद्धिदहिममाता॥ ॥ ॥ मागमेवनि॥ शुन्यः
 निवर्ज्यनयनमप्रकुशुन्यमायसहावुश्चावहचियसहावजना

२५
 २५
 २५

नासिमयिजाव॥ ॥ नउरुवनउनिर्वाधतहिप्ररुसा महासह
 वरुश्चयारावयिमनरावतहिसायप्रसाहयिकऊ॥ ॥ शुष्कन
 मकुविवरुथा नासाविदुननिरुश्चरुसायनमहासह नारुदिना
 विरु॥ ॥ डिमयनिर्विदुमोवैरुहावजतिमिरावयिमनरावश्च
 न्यनिनऊनयप्रमपरु नारुश्चपुननयादी॥ ॥ डिमरुसमाप्य
 वयसहिनास्वकनमिकुश्चिमिसामधुलचक्रनयनसहावस

ॐ

ॐ

ॐ ॥ वागनामकनि ॥ हं हं हं हं वृत्तानामकन ॥ २ ॥ दशलिङ्ग
मथागधनु ॥ ॐ ॥ हं वृत्तानामकन ॥ २ ॥ हं नो हं ॥ २ ॥ हं नो हं ॥ २ ॥ हं नो हं ॥ २ ॥
॥ सुनननवीदिकवनवधनु ॥ २ ॥ सुसमविनयनदहधनु ॥ ॥
रावविमकूटाविष्णुगणगाययि ॥ २ ॥ नमहं ॥ २ ॥ हं वृत्तानामकन ॥ २ ॥
ययि ॥ ॐ ॥ वागवसं ॥ ॥ जिनवनवृत्तानामकन ॥ २ ॥ पुरास्वननमन ॥ २ ॥
नासयिसमनसदंदाश्लिङ्गध ॥ ॐ ॥ निर्वसहस्रनमसीग

पुनः

नसयि ॥ २ ॥ गच्छालिङ्गध ॥ ॥ आनंदमयन ॥ ॥ वाययिसंरागसयन ॥
मयन ॥ २ ॥ वागविनाशयेमाप्तिनिष ॥ ॥ ॐ ॥ वृत्तानामकन ॥ २ ॥
विमुखना ॥ २ ॥ सुनननवमुखीदंदाश्लिङ्गध ॥ ॥ ॥ दहदिहृदवन ॥
धीयोगम्वना ॥ २ ॥ पञ्चमामिहृदवन ॥ ॥ ॐ ॥ वाग
विरास ॥ ॥ यनमनगावनवरावनरावक ॥ २ ॥ नवविग्रह नवग्रहका
ग्रहका ॥ ॐ ॥ मां सनेमानिक गुरुनविष्ठा नवघनमाहनसा

नृदमालकादशसहस्रानन्दवाक्कविद्विनाचयि॥ **ॐ** ॥ चका
लिंगधितुवनमसंशुक्तप्रकासि॥ समयवीचमसंशुक्तप्रका
लिया॥ ॥ **ॐ** वाक्कसिद्वीनानावृथ॥ प्रकाशदत्तानगयनन
यिया॥ ॥ **ॐ** वाक्कसिद्वीजगत्तुधनन॥ तानरुतानशीहृन्
वनाया॥ ॥ पादुतेनकडरुयसंवनन॥ प्रसवनाचनशीवज
यागिनीनाचयि॥ **ॐ** ॥ **नागलाम** ॥ विदलकमनवकुसुम

सयनमधुकनरुवलीना॥ शीविनूपाकृकृखगमुखद्वीमदन
यातययायिना॥ **ॐ** ॥ नमामिशीनेनात्माद्वीधितुवनमाकाव
कलाद्वीशीमृगकृसि॥ समयनसुवासनवदितवन्ध॥ अनगज
धिसिधिवनप्रसादा॥ ॥ नदनवनमिवचन्दनकनूव॥ अनगजसु
यानिजातवन॥ निखगर्भवाग्मनितीर्थसुनकृद्वदन॥ ॥ **ॐ** ॥
नव॥ अष्टयागिनीद्वी॥ अनगसुनकृद्वपाव॥ अष्टमहारयद्विगत

श्रीकुरु

निनवानुनी शुभगाविश्रानिवात्रुधि ॥ ॥ विष्णुवियापित तावुनी द
वी शुषयनिनउरुनऊाठिमय २ अरिम कुसुखरुसदायनी देवी ऊ
मऊमऊरुयायसनमा ॥ ॥ ॥ नागखड्गकान ॥ श्रीविऊरुसुखरुस
वळुदहाद्याणीभानरुधधनाश्वामरुऊखलनखडागादहिनकनीति
धानि ॥ ॥ ॥ नमामिष्टीनेनात्मादेवी २ मानरुयरुयहनधी ॥ ॥ वड
विंशतिपिथध्वाननूपिप्रकवदननिनरुधधन २ यककमुद्रारुषित

भोग्य

श्रीगणिवननमिगमुद्रमाता ॥ ॥ लंदवदविश्रमिषुलमाप्पसुन
ननवदिहवयध २ देवीयागिनीप्रकरावानमामिष्टीयद्रगुधध्वान
॥ ॥ श्रीवडुदेवीयसादनदानयातिप्रमनाहर्ष २ सतगुववननमि
त्यगकरुनीयनलवडुगीतवनिता ॥ ॥ ॥ नागकासाठ ॥ मृगा
लुधगायनितीरुहंतीवडुगिमुद्राकिरुगुवडु २ श्रीवडुठाकगमिम
लुसलुनकाप्रसुतापेनमामिष्टीन ॥ ॥ अरुधसुर्थापनितीरुह

तं नृणां किं मुद्रां किं पीतवर्णं २ श्री नृलोककनविमलसुन्दरं नृकावसंज्ञा
 तपधामामिष्ठां ॥ ॥ मयुवमुद्रायानिर्सीद्धिर्नृं पद्माकिमुद्रां किं नृक
 वर्णं २ श्री यमलोककनविमलसुन्दरं यंकावसंज्ञा तपधामामिष्ठां ॥ ॥
 खगलोककायनिर्सीद्धिर्नृं कृपानमुद्रां किं नृं धनारं २ श्री विश्वल
 कनविमलसुन्दरं नृकावसंज्ञा तपधामामिष्ठां ॥ ॥ वक्रवृक्षविष्णुप
 त्रिर्सीद्धिर्नृं देहाविमुद्रां किं नीलवर्णं २ श्री वक्रलोककनविमलसु

सुन्दरं नृकावसंज्ञा तपधामामिष्ठां ॥ ॥ ॥ नागलोककायनिर्सीद्धिर्नृं
 धानिधामामिष्ठां तपधामामिष्ठां नृकावसंज्ञा तपधामामिष्ठां ॥ ॥
 व्याधुवर्मकांठेरुषिर्नृवदना ॥ ॥ ॥ ॥ नृकावसंज्ञा तपधामामिष्ठां
 वृन्दवादननीलसमदहाकाकाधियतिथीमहाकावा २ यं नृक
 र्णरुवलीनालयनवक्रकपावधना ॥ ॥ नृकवर्णनाथिनिनय
 नाधानरुयंकनरीषमवदना २ उर्ध्वप्रकाशिकायिगलकथा उन्म

श्रीमद्

करुणाकनुधामय ॥ ॥ कवटिकापासधामिदं खडागनागवनयना
गकुलसहासो ॥ नागासि वसिष्ठा नोयुवनागाश्रुना आरुवदसं
सा ॥ ॥ जिनवत्र मोन धानिन मेता वृक्ष सा धन सा त्रक कवीना श्रुता
वृक्षाता सुवरावासा धन कालिभा श्रुत रुवना न दाम ॥ ॥ नागक
कुदि ॥ श्रीमद्देनाथगुन महावीन विजया ॥ चन्द्रहास खड्गधनागवा
ससुनु ॥ ॥ नमामि ॥ श्रीमद्देनाथगुन महावीन विजया ॥ चन्द्रहास खड्गधनागवा
ससुनु ॥ ॥

विष्णुसर्प
सिद्धि

वनवायिना ॥ ॥ युक्तकधनगुरु पवनमगुन नाया ॥ श्रीधर्मधनुखा
ननेयासमधु सल्लेका ॥ ॥ जगत्तनाथ जगत्तगुन निनेऊना ॥ सर्व
धामुवि सा नयलिता निनेऊना ॥ ॥ नागककुदि ॥ विष्णुसर्पान
हादिनकनमधु सा ॥ शङ्का व सैरवद कुरुवधुदहा ॥ ॥ नमामि ॥ श्री
हनुडनाया ॥ शवडुका गिन्यासिंगधना वीय ॥ ॥ विमुखषट्पुडु
ला नुनयिन वा ॥ शविष्णु कलिभा ॥ इन्दुजगामकटका नि ॥ ॥ यथमधु

मधुनिग

ऊद्ययश्रुतिभयम् ॥ २ ॥ दिति यदुज्जहन्ति वभारुमिय ॥ ॥ ययदुज्जहन्
 नुखदगिकया ला ॥ २ ॥ यदुमुद्रामुद्रमा ला विरुषिता ॥ ॥ आसिका लि
 इयि आली रुवा ययि ॥ २ ॥ यममामि वन ॥ १ ॥ कौ वव रुगी ला ॥ ॥ ॥
 नाग सह रु वसका ॥ मधु वि यु लि पू ना इय निरु ना ला ॥ २ ॥ सक न इ व ग न व नि
 त व र ॥ ॥ ॥ मे की आ दि वृ द्ध की मे रु रु मा ला ॥ २ ॥ अरु व धु ति य म नु र ॥
 रु व ना ॥ ॥ ॥ रु रु म नू वि ना स न वि न वि ष मा ॥ २ ॥ आ गी ती न क नू ध वि हा

नमामिहि

[illegible]

महाकाव्य
श्रीनिवासाय

मां माह मानदयनिकादि न माया माह ॥ ५५ ॥ परं सा न असा न २ नागद्वय
माह ॥ ५६ ॥ नि न असा ॥ ५७ ॥ अनीमिव नयन नृचक नृदोहिया २ इमय
निचिक इदं पुन्यं ॥ ५८ ॥ सहस्रं सा वरुण इदं नागकधनिया २ यसाय नम
स वास न नृव ॥ ५९ ॥ अ नृव उदय नृदयाय यसा २ गविकिनिक्षयसा सह
वक्रता निवो ॥ ६० ॥ ॥ नागका माह ॥ अकिनी त्वं वरुणं कानवीरं द्रव्यं रुद्र
चकमखं २ यिनी नृच उदय कर्णं द्रव्यं क सातं काठवीरं ॥ ६१ ॥ नमामि श्रीः

महाकाव्यं माला नृच ह नृव ॥ ६२ ॥ दाह नृच कनाठन अखिल मयः
निपुण दनं २ वाम रुद्र मय खदो गवक्र कया ल नृच पुन्यं ॥ ६३ ॥ उदय कालिका
स वा नृच अकिनी धना नृव दनं ॥ ६४ ॥ नृच निन मातो गी वरुण सा वा घ
नृच कालिका ॥ ६५ ॥ हाजर नृच अष्टमं नाथी महा काल सदा यधमं
हानयति नृम नाह वरुण सिद्धि सिद्धि रुद्रं ॥ ६६ ॥ ॥ नाग नृच याद पण्डनं
धीवज्र दवी निधना २ गविकि रुद्र रुद्र अनाय धी नृच वरुण नृच ना ॥ ६७ ॥

अनवरत

॥ ॐ ॥ नागनामकवि ॥ जिनवनननयानि रूवनथीकाया नननिर्वसुननि
मसमधिनाशनया समधुलमाग्यगभिहृतिननऊगतमधुसमाग्यो
मनिना ॥ ॐ ॥ अक्षगातिगार्हियाभञ्जवतानयावदर्वयुधमागिबुगम
ससाकध्वनदर्वसिद्धायागिर्वधुदरुयनिकुमनाया उवयनिकुजमनि
ननचदर्व ॥ ॥ नायिकमनादिमुषकाशिकवाधियानवामकमस
हाथउमसमनननागकुसुकादानिउडखरुयहनना ॥ ॥ ॐ ॥

अक्ष

वतिकाया रूगवतिनमागिथीवुगमससाकध्वनदर्वशनमागिथीननच
दर्वसुगममथयानावदर्व ॥ ॥ दधरुमिधार्थिगकलकधधनियारुग
तनाथअरुयदाहाश्वीअमिहारुवधिसंगरुधनियार्थीनाकस्व
सकसागिमय ॥ ॐ ॥ ॥ नागरुनवि ॥ वल्लभगुग्मभनधीलसवक्र
वासकिनागगार्जिकभयाशगकलभमगानशुभकवक्राधुलिभया
कककनाग ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥ अक्षमकुलयकुरुवक्रिवायुनाकसदिगीवि

दिग्विसेदवनीन् २ अष्टममभनकुर्विसेवी भष्यन नावयिस हजानदं
 ॥ कंकलिषाला वलिं नमघा काला काला कंकटिक नागम २ कर्कशः
 नवा वलिं नमघा सनसि रुनागम वुत कवृका ॥ अष्टममभन भष्यन
 नागम यवधुमघा वलिं मीह वृहा २ लक्ष्मी वनरुता सा कर्कश वृका धुलि
 नमघा महा यम नागम ॥ धा नममभन कर्कट वृका अतक नागम पुनन
 मघा किलिकिलिलावा अरुन वृका कलिक नागम वर्षनमघा ॥ धा

धूमगान

दधकुजादादधकुवना चडवक्रवदना दधनयना २ रुनयिकलुया ल
 नाखइ सनना कालिना छिनि प्रचाययिवदना ॥ २२६ ॥ नागगविनि ॥
 धूमगानि चकु कलानि २ ली यमयिगल कभावयन ॥ २२७ ॥ कुंशयिया
 नहुं हुं हुं कलकलक २ नाना विहान नो दमहा वलियुजा ॥ २२८ ॥ समया
 नककु योगम च नदवा २ वाहलिवारुल चडमुखनयेना ॥ २२९ ॥ भीतकल
 ककु वावलिलोहा २ युष्टिकलक महा वलियुजा ॥ २३० ॥ नोदकलक पि

अथर्व

हवनगयनश्चमयमानसमर्कनूधिनाराहण ॥ ६०६ ॥ नागसहास ॥ एक
 वदनवलमकूटशालंशनाश्चक्रुर्गुणरुक्मयुक्तकसत्रधनुषात्रि ॥ ६०७ ॥
 नमामिमंश्रीयज्ञानृत्यश्चराश्चयसज्जसायनिर्गुणिकउध्वानिनाः
 ॥ ॥ दहिनशीगदयनिवाभशीमहाकात्राश्चमगधमधुसमाभय
 कलिकलिका ॥ ॥ शृष्टिसंहारनायाविश्वविगापिताश्चशुद्धरयवे
 रूपाधिर्नाराहण ॥ ॥ वज्रधनपसादिनेदासरुनयियाश्चगुण

नवका

वनधामानुसिद्धिवनयगादा ॥ १७५ ॥ वाग्वनावलि ॥ लम्बकर्मसम्भा
दवर्णिनिनाचनाशकधिसाराकनार्तिपुनरुषिता ॥ ७ ॥ ननाहंनंनं
ननाहंनंनं ॥ ॥ घाघननोपुनहाथयनमुधवाशुहमुखशुक्रमय
धना ॥ ॥ इरुनिरुतनिमाहनिशकर्वनिशुदिरुनिकल्पेनकनका
॥ ॥ स्वर्गमल्लयागानुविशुवनगनयतिशुक्रियात्रेसर्वकार्यसिद्धि
॥ ॥ केशवर्ण ॥ सिद्धिसिद्धिवनसंपुष्पुत्तयविश्वध्वनशुक्रियुवनवा

दीर्घानि

मानुस्मयायसब्रह्माग्नवक्रियवनादिवज्रगीता ॥ ६३५ ॥ नागवज्र
॥ दीर्घानि सनावनविनासयिकयिस २३७ रुनामल्लसनाया ॥ ६३६ ॥
॥ ५३७ ॥ काहमसंज्ञगतिनिर्वाणियाल ॥ ॥ अतियशनिर्वाणनदरुशस
हजसुदनिसेयाजिनरुलपयिस ॥ ॥ ५३८ ॥ उयागीनीपलमलश्व
ऊवानाही आर्तिगधकील ॥ ॥ ५३९ ॥ नागकनूधकवानिश्रुयः
ऊय आर्तिगधनी सवधुवालि ॥ ६३५ ॥ नागनाथ ॥ नमामि शक्तिनध

नमामि

मधुसुखयं दुश्चिद्वनश्च नूतनधर्मधुवागिध्वनी ॥ ६३६ ॥ नमामि
शक्तिननमा ॥ ६३७ ॥ मधुसुखयं मधुसुखयं मधुसुखयं ॥ ॥ ६३८ ॥
नागवज्रनशीकायातकेशपवडनिर्वाणनमहामनिधना ॥ ॥ ६३९ ॥
मिह्राननध्वनिमिह्राननपातमल्लसनामपसनामनूयि ॥ ॥ ६४० ॥
पुस्तकधनुवना ॥ ६४१ ॥ नरुहखरुधनधना ॥ ॥ ६४२ ॥
महासुखवाया ॥ ६४३ ॥ विनाजनीननधमल्लदवी ॥ ॥ ६४४ ॥

